# ONGC News, 28.06.2020 Print

| पेट्रोल के दाम को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन | Hindustan | 15 | Bureau | Neutral |
| --- | --- | --- | --- | --- |

# पेट्रोल के दाम को लेकर कांग्रेस का आज प्रदर्शन

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के खिलाफ 29 जून को सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन करेगी। प्रदर्शन 11 से 12 बजे के बीच जिला मुख्यालयों पर होगा।

ओएनजीसी ONGC

| पेट्रोल २० दिन में ९.१२ रूपये महंगा हुआ | Navbharat Times | 1,4 | Bureau | Neutral |
|---|---|---|---|---|

# पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाए सरकार : CTI

■ **विस, नई दिल्ली :** पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ व्यापारियों ने शनिवार को कनॉट प्लेस में प्रदर्शन किया। व्यापारियों के संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने केंद्र से सवाल किया कि आखिर क्या वजह है कि सरकार हर चीज पर तो जीएसटी लगाने के पक्ष में है, लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में नहीं लाती है। इसे जीएसटी के दायरे में लाया जाना चाहिए।

सीटीआई के संयोजक बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल का कहना है कि जीएसटी के दायरे में लाने से पेट्रोल-डीजल सस्ते हो जाएंगे। गोयल ने कहा कि न केवल दिल्ली, बल्कि पूरे देश में तेल के दामों की कीमत आसमान छू रही है, इस वजह से हर वर्ग के व्यक्ति को परेशानी झेलनी पड़ रही है। सीटीआई ने केंद्र सरकार मांग की है कि पेट्रोलियम पदार्थों से एक्साइज व वैट हटाया जाए और जीएसटी लागू किया जाए। सीटीआई महासचिव विष्णु भार्गव और सचिव गुरमीत अरोड़ा ने कहा कि अगर हम दिल्ली में पेट्रोल की कीमत की बात करें, तो इसका डीलर प्राइस लगभग 25 रुपये प्रति लीटर है। उस पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी 32.98 रुपये प्रति लीटर, वैट 18.55 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीलर कमिशन 3.60 रुपये प्रति लीटर है, यानी कुल 206 फीसदी टैक्स लग रहा है। सीटीआई ने केंद्र को सुझाव दिया है कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के अधिकतम लग्जरी स्लैब 28 फीसदी में रखा जाए। दूसरा सुझाव है कि जिस तरह प्रति लीटर के हिसाब से एक्साइज ड्यूटी लगती है, उसी तरह सरकार पेट्रोल पर प्रति लीटर 20 रुपये सेंट्रल जीएसटी और प्रति लीटर 20 रुपये स्टेट जीएसटी लगा दें।

■ व्यापारियों के संगठन ने तेल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ किया प्रदर्शन
■ व्यापारियों ने कहा- बढ़ती कीमतों के समाज के हर वर्ग को हो रही है परेशानी

## पेट्रोल 20 दिन में 9.12 रुपये महंगा हुआ

तेल कीमतें शनिवार को भी बढ़ीं। दिल्ली में पेट्रोल में 25 पैसे महंगा होकर 80.38 रुपये/लीटर और डीजल 21 पैसे की बढ़त के साथ 80.14 रुपये/ लीटर हो गया। पेट्रोल 20 दिन में 9.12 रुपये और डीजल 21 दिन में 11.01 रुपये महंगा हुआ है। पाकिस्तान में एक ही दिन में पेट्रोल 25.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल 21 रुपये प्रति लीटर महंगा कर दिया।

▸▸पेज 4

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पेट्रोल २५ पैसे और डीजल २१ पैसे महंगा | Amar Ujala | 1 | Bureau | Neutral |

# पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 21 पैसे महंगा

| पेट्रोल | डीजल |
|---|---|
| ₹80.38 | ₹80.40 |

**नई दिल्ली।** पेट्रोल-डीजल की कीमतों में शनिवार को 25 पैसे तथा 21 पैसे प्रति लीटर बढ़ोतरी हुई। 21 दिनों में डीजल 11.01 रुपये प्रति लीटर व पेट्रोल 9.12 रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ है।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तेल के दाम बढ़ने के खिलाफ सड़क पर उतरे व्यापारी | Amar Ujala | 6 | Bureau | Neutral |

# तेल के दाम बढ़ने के खिलाफ सड़क पर उतरे व्यापारी

## सीटीआई ने कहा- महंगी होंगी रोजमर्रा की चीजें, पेट्रोल,डीजल को जीएसटी में लाने की मांग

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ रहे दाम के खिलाफ व्यापारियों ने कनॉट प्लेस स्थित पेट्रोल पंप पर शनिवार को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की मांग उठाई। उनका कहना था कि जीएसटी के दायरे में लाने पर डीजल 20 रुपया व पेट्रोल 12 रुपये लीटर सस्ता हो जाएगा।

व्यापारिक संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कहा कि पेट्रोल-डीजल के बढ़े मूल्य का असर सभी जरूरी सामानों पर पड़ेगा। संगठन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन से सवाल किया कि सरकार हर चीज पर जीएसटी लगाने के पक्ष में है, लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों को इसके दायरे में क्यों नहीं लाती। सीटीआई के संयोजक बृजेश गोयल व अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली के साथ पूरे देश में तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। इससे हर वर्ग के व्यक्ति को परेशानी झेलनी पड़ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से रोजमर्रा की चीजों की कीमतें भी महंगी हो जाएंगी।

पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्यवृद्धि के खिलाफ शनिवार को कनाट प्लेस में विरोध जताते व्यापारी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में डीलर की कीमत लगभग 25 रुपये लीटर है। इस पर सेंट्रल एक्साइज 32.98 रुपये और वैट 18.55 रुपये प्रति लीटर है। डीलर कमीशन 3.60 रुपये प्रति लीटर है। यानी पेट्रोल की वास्तविक कीमत पर कुल 206 प्रतिशत टैक्स लग रहा है। डीजल का डीलर प्राइज 27.32 रुपये प्रति लीटर है। इस पर एक्साइज ड्यूटी 31.83 रुपये और वैट 18.51 रुपये प्रति लीटर है। डीलर कमीशन 2.53 रुपये प्रति लीटर है। यानी डीजल की वास्तविक कीमत पर 184 प्रतिशत टैक्स लग रहा है। प्रदर्शन में विष्णु भार्गव, नवदीप मल्होत्रा, गुरमीत अरोड़ा, संजीव भारद्वाज, अनिल वत्स, सुनील गुप्ता, निशांत गुप्ता, अजय उपाध्याय आदि व्यापारी नेता शामिल हुए।

## मजदूर संघ ने जलाई चीन के सामानों की होली

नई दिल्ली। सीमा पर ड्रेगन की धोखेबाजी के बाद उसके खिलाफ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन भारतीय मजदूर संघ ने शनिवार को अजमेरी गेट चौक के समीप विरोध-प्रदर्शन कर चीन के बने सामान की होली जलाई। संघ ने 'भारतीय सेना जिंदाबाद' और 'चीन मुर्दाबाद' के नारों के साथ चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का पुतला भी फूंका। चीन के सामानों के खिलाफ सड़कों पर खूब विरोध दिखाई दे रहा है। इस प्रदर्शन में स्वदेशी जागरण मंच के साथ ही ट्रांस्पोर्टर एसोसिएशन के सदस्य भी शामिल हुए। मजदूर संघ के प्रदेश महासचिव अनीस मिश्र ने कहा कि चीनी सामान का पूरा बहिष्कार होना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत के लिए यह बेहद जरूरी है। चीन बार-बार भारतीय सेना का अपमान करता है। हमारे कई सैनिक शहीद हो गए हैं। लिहाजा चीन से सभी तरह के रिश्ते खत्म कर उसे आर्थिक क्षति पहुंचाने की आवश्यकता है। मजदूर संघ के प्रदेशाध्यक्ष प्रेम सिंह नागर ने कहा कि भारत के आम लोगों को चीनी सामान का बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने चीन में निर्मित सामानों की होली जलाने की अपील की। क्षेत्रीय संगठन के महामंत्री पवन कुमार व पूर्व उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह सोनी ने कहा कि चीन के साथ पूरे तरह से व्यापार खत्म कर देना चाहिए। सप्लाई पर पाबंदी लगाकर चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की आवश्यकता है। ब्यूरो

चीन के सामान की होली जलाकर विरोध जताते स्वदेशी जागरण मंच के सदस्य।

| OIL back in black: Net profit at Rs92.5 crore on lower taxes | Finanical Express | 1,3 | Bureau | Neutral |
|---|---|---|---|---|

QuickPicks

## OIL back in black: Net profit at ₹925.6 crore on lower taxes

STATE-OWNED OIL India has reported a net profit of ₹925.64 crore for the March quarter as opposed to a loss last year as lower corporate tax offset a dip in oil and gas prices, reports **PTI**. Net profit in January-March at ₹925.64 crore compares with a loss of ₹208.54 crore in the same period a year back. **PAGE 3**

# OIL back in black: Reports net profit of ₹925.6 crore

**PRESS TRUST OF INDIA**
**New Delhi, June 27**

**STATE-OWNED OIL** India (OIL) has reported a net profit of ₹925.64 crore for the March quarter as opposed to a loss last year as lower corporate tax offset a dip in oil and gas prices.

Net profit in January-March at ₹925.64 crore compares with a loss of ₹208.54 crore in the same period a year back, the company said in a statement.

The company said it opted for the new concessional tax regime, paying an effective tax rate of 25.17% in lieu of giving up exemptions. Current corporate tax rate is 35%. "This has resulted in reversal of deferred tax liability of ₹821.01 crore during 2019-20," the statement said. The lower tax rate offset drop in revenue from slump in oil and gas rates. "Crude oil price realisation during Q4 (January-March) of FY20 and FY 2019-20 got adversely affected due to fall in international crude oil prices because of Covid-19 and collapse in understanding between OPEC and Russia on continued production cuts," it said.

Average crude oil price realisation during January-March (Q4 FY 2019-20) was $52.18 per barrel, which was lower by 15.51% as compared to a price realisation of $61.76 a barrel during Q4 FY2018-19.

Total revenue was up marginally to ₹3,583.72 crore in Q4 from ₹3,583.72 crore a year back. For the full 2019-20 fiscal, the company's net profit was almost unchanged at ₹2,584.06 crore on a revenue of ₹13,648.71 crore.

Average crude oil price realisation was lower by 11.31% to $60.75 per barrel in 2019-20, compared to $68.50 during 2018-19.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Petrol price up 25 paise, diesel up 21 paise | Finanical Express | 3 | Bureau | Neutral |

# Petrol price up 25 paise, diesel up 21 paise

**PETROL PRICE ON** Saturday was hiked by 25 paise per litre and diesel by 21 paise, taking the cumulative increase in rates in three weeks to ₹9.12 and ₹11.01 respectively.

Petrol price in Delhi was hiked to ₹80.38 per litre from ₹80.13, while diesel rates were increased to ₹80.40 a litre from ₹80.19, according to a price notification of state oil marketing companies.

Rates have been increased across the country but the final retail selling price differs from state to state depending on the incidence of local sales tax or VAT. In Mumbai, petrol price went up from ₹86.91 per litre to ₹87.14, while diesel rate was hiked to ₹78.71 from ₹78.51. —PTI

| OIL pre-tax profit jumps twofold in Q4 | Business Standard | 6 | Shine Jacob | Neutral |
|---|---|---|---|---|

# OIL pre-tax profit jumps twofold in Q4

SHINE JACOB
New Delhi, 27 June

State-run Oil India (OIL) has posted an almost twofold increase in its pre-tax profit in the fourth quarter of FY20 at ₹267.57 crore, aided by reversal of deferred tax. It had reported a pre-tax profit of ₹89.22 crore in the corresponding period of 2018-19.

Revenue saw a drop of 16 per cent in Q4FY20 at ₹2,607.38 crore compared to ₹3,097.26 crore during the January to March period of 2018-19. For the entire FY20, profit before tax fell 25 per cent to ₹3,500.65 crore, against ₹4677.19 crore in FY19. Revenue from operations for the year stood at ₹12,166.54 crore versus ₹13,780.45 crore, an increase of 12 per cent.

A fall in international crude oil prices because of Covid-19 and a collapse in understanding between Opec and Russia on continued production cuts hurt the crude oil price realisation for the firm. "OIL has adopted the new concessional tax regime introduced by Section 115BAA of Income Tax Act, 1961, for FY20. This has resulted in reversal of deferred tax liability of ₹821.01 crore during FY20," the firm said.

| Assam gas leak and fire: Sever floods force OIL to pause blowout ops | Indian Express | 11 | Tora Agarwal | Neutral |
| --- | --- | --- | --- | --- |

# Assam gas leak and fire: Severe floods force OIL to pause blowout ops

TORA AGARWALA
GUWAHATI, JUNE 27

OIL INDIA Ltd (OIL) on Saturday temporarily called off its operations to contain the fire and blowout at the Baghjan 5 well in Upper Assam's Tinsukia district after the area was ravaged by days of heavy rain and floods. "Working condition at site has been considered unsafe for the day and all operations at site have been called off," stated a release from OIL.

The interruption in operations will prove to be a big challenge for the energy major, as it has struggled to plug the blowout, first reported exactly a month ago. The well subsequently caught fire on June 9, complicating matters further.

"One day loss is a huge problem for us because every day is accounted for," said OIL spokesperson Tridiv Hazarika, ""The debris clearing around the well area—a crucial part of the plugging operations —was slated for today." The authorities had estimated that the well would be capped by July 7. However, with weather reports indicating that rain will continue for the next few days, this is looking unlikely, said Hazarika.

The OIL release stated the Dangori river—from which it is pumping water—is overflowing.

"The Kill Pump area is completely flooded. OIL CMT Water Pump area is submerged with flood water" the release stated.

As a result, the main well operations had to be halted but operations at OIL workshops continued.

Currently, the three main routes to the well site are inaccessible. While the Doomdooma-Baghjan bridge collapsed on Thursday, the condition of the bridge near Daisajan Tea Estate on Tiphuk-Kordaiguri road is fast deteriorating. On Saturday, the district administration announced that the part of the third route via Plastic Park road has been closed for all vehicular traffic since it was inundated and under pressure.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 21st straight day: Petrol, diesel rates hiked by Rs 9.12, Rs11.01 in 3 weesks | Millennium Post | 1 | Bureau | Neutral |

# 21st straight day: Petrol, diesel rates hiked by ₹9.12, ₹11.01 in 3 weeks

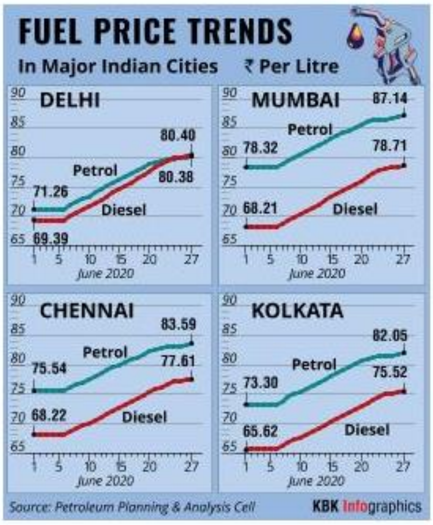


**MPOST BUREAU**

**NEW DELHI:** Petrol price on Saturday was hiked by 25 paise per litre and diesel by 21 paise, taking the cumulative increase in rates in three weeks to Rs 9.12 and Rs 11.01 respectively.

Petrol price in Delhi was hiked to Rs 80.38 per litre from Rs 80.13, while diesel rates were increased to Rs 80.40 a litre from Rs 80.19, according to a price notification of state oil marketing companies.

Rates have been increased across the country but the final retail selling price differs from state to state depending on the incidence of local sales tax or VAT.

In Mumbai, petrol price went up from Rs 86.91 per litre to Rs 87.14, while diesel rate was hiked to Rs 78.71 from Rs 78.51.

While diesel rates have been hiked for the 21st straight day, petrol price has been raised on 20 occasions in three weeks.

The cumulative increase since the oil companies started the cycle on June 7 now totals to Rs 9.12 for petrol and Rs 11.01 for diesel.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| India's oil imports see biggest drop in over a decade in May | Millennium Post | 8 | Bureau | Neutral |

# India's oil imports see biggest drop in over a decade in May

*In the period of April-May 2020-21, India's oil import bill has fallen to a meagre $5.4 billion as against $19.3 billion in the same period a year ago*

**NEW DELHI:** India is on its way to make its biggest savings in the oil import bill this year with Covid-19 related disruptions and sluggish demand conditions squeezing down the country's crude payments to a fourth of previous years' level in the first two months of current fiscal.

In the period of April-May 2020-21, India's oil import bill has fallen to a meagre $5.4 billion as against $19.3 billion in the same period a year ago. Apart from lower oil prices, the quantum of imports in the two month period has also fallen to 31 million tonne (MT) from 39 MT last year.

The fall has been more stark in the month of May this year when the oil import bill stood at a mere $2.3 billion as compared to $9.5 billion last year. In fact, India's crude oil import in May fell 22.6 per cent to 14.6 MT, the biggest single month drop since 2005, as both fuel demand and refinery production was hit by Covid-19 disruptions.

Interestingly, between April and May, global crude oil prices have bounced back 60 per cent from a level of average $20 a barrel in April to over $30 a barrel in May. But compared to last year May's average crude price of over $70 a barrel, the current price are still at less than the halfway mark.

"The conditions this year are ideal this year for India to bring its oil import bill close to the halfway mark of FY20 levels. But it will depend on how oil producers respond to current disruptions and how long the current coronavirus crisis continues and controls the demand conditions. Oil price have risen this month to over the $40 mark, but could rise more if concerns about the prolonged presence of the virus gets re-established," said an oil sector expert.

As per the Petroleum Planning and Analysis Cell's (PPAC) provisional estimates, India's oil imports bill is expected to settle just over $100 billion mark in FY20. If it falls closer to $50 billion mark in FY21, the government would be able to cover its increased spending to pump up the economy in Covid times easily. Already taxes on petroleum products have been jacked up to mobilise additional resources for these unplanned expenditures.

While India imported crude oil worth $112 billion in FY 19, its import bill has transited substantially lower in the previous three financial years with oil import bill standing at mere $64 billion in FY16 when oil prices slipped on over supplies, especially with the entry of US shale oil.

## Highlights

- In May this year the oil import bill stood at a mere $2.3 billion as compared to $9.5 billion last year
- Compared to last year May's average crude price of over $70 a barrel, current price is still at less than the halfway mark

Lower volume of crude processing by fuel refiners is also expected to have an impact on the import bill.

For India, lower oil prices acts as big incentive as the country depends on imports to meet 85 per cent of its oil requirements. Lower import bill would also have positive impact on country's fiscal deficit that had already slipped from earlier targets in wake on higher government expenditure this year to curb falling GDP growth.

The dependency of imported crude (on consumption basis), on the other hand, has increased from 82.9 per cent in FY18 to 83.7 per cent in FY19 and 85 per cent in FY20, meaning the country is producing less oil and depending more on imports to meet domestic requirements. This dependency has consistently increased in all five years of the last Modi government.

Crude production in India has stagnated around 35 mt for past decade. In FY19, domestic crude production has dropped to 34.2 mt from 35.7 mt in the previous year. Despite best efforts of the government, domestic oil production has not increased. Government has now pinned hope on its new Hydrocarbon Exploration Licensing Policy (HELP) that institutes an open acreage policy to see more investment in country's exploration and thereby increased production in coming years. IANS